

रुद्रयामल तन्त्र

तन्त्र-शास्त्र का अद्भुत विश्वकोश
(सर्वतोभद्र साधनाओं का सिद्धिप्रद संग्रह)

लेखक एवं सम्पादक :

डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी

एम. ए. (संस्कृत एवं हिन्दी), पी-एच. डी., डी. लिट.

(मन्त्रशक्ति, तन्त्रशक्ति, यन्त्रशक्ति, दत्तात्रेयतन्त्र, सौन्दर्य लहरी, महामृत्युंजय
साधना एवं सिद्धि तथा बहुतों के भक्त साधना आदि ग्रन्थों के लेखक)



रंजन पब्लिकेशन्स

16, अन्सारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110002

My hearty thanks to SRI HARSHA SHARMA

विषयानुक्रमणिका

परिचय-विभाग

1. रुद्रयामल-मंगलानि	18
2. दयामय दिव्य-दम्पती और उनकी अपूर्व देन	19-20
3. आगम और आगमिक साहित्य—	21-28
10 आगमों का परिचय, मैरवागम	
(क) वैखानस तथा पांचरात्र आगम	10-11
4. यामल और यामल साहित्य-अघोरादि 29 यामल	28
5. रुद्रयामल की दिव्यता	32
6. रुद्रयामल : स्वरूप दर्शन	34
7. रुद्रयामल की पाण्डुलिपियां-13 प्रतियों का परिचय	38
8. रुद्रयामल की साहित्य-सम्पदा-192 लघुग्रन्थों की स्थान परिचय सहित नामावली ।	40
9. यामलीय उपासना दृष्टि-पटल, पद्धति, कवच, सहस्रनाम और स्तोत्र-परिचय	51
10. रुद्रयामल में वर्णित साधनोपयोगी चक्र-अ-क-उ-म चक्रादि 6 चक्रों का सचित्र परिचय ।	57
11. यामल-प्रतिपादित ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रीय विचार	63
12. रुद्रयामल और योग साधना	67
13. शारीरिक चक्र और साधना-प्रक्रिया	69
14. कुण्डलिनी-साधना तथा कुछ स्रोत	71
15. न्यास-विद्या और मुद्राओं की महिमा-न्यास-विधि, न्यास स्वरूप, फलश्रुति एवं सिद्धि नियम-विचार सहित	74
16. रस-शास्त्र और रुद्रयामल	78
17. पंचमकार की आध्यात्मिकता	80
18. ज्ञानमार्गाक्त पंचमकार स्तोत्र	81
19. साधकों के लिए आवश्यक निर्देश ।	82

प्रयोग-विभाग

1. प्रयोग-परिचय की पूर्व भूमिका 89-100
नित्यकर्मानुष्ठान-सन्ध्या, स्वरूप दर्शन, पंचकाल विचार,
प्रातः सन्ध्याविधि-परिचय, मध्यान्ह सन्ध्याविधि-परिचय,
सायं सन्ध्याविधि-परिचय, तुरीयकाल सन्ध्याविधि - परिचय,
पंचमकाल सन्ध्याविधि - परिचय, सामान्य जप प्रकार,
विशिष्ट जप प्रकार, तान्त्रिक सन्ध्या, पंचदेव पूजन विचार ।
2. तान्त्रिक उपासना का मंगल प्रस्थान : श्रीगुरु उपासना 101-106
(1) श्रीगुरु उपासना के प्रकार, (2) गुरुमन्त्र और
पूजा-विधान, (3) गुरु-पादुका मन्त्र ।
3. कुण्डलिनी मन्त्र जपविधि और स्तोत्र 107-109
(1) कुण्डलिनीस्तोत्राष्टक (अर्थ सार एवं पाठ विधि सहित) ।
4. अजपा-जप-विधि और अन्य कर्तव्य 110-112
5. महागणपति-साधना और रुद्रयामल 112-123
उपासना के अनेक प्रकार-(1) पंच बालक, षटकुमार, सप्त
बालक, (2) गणपति महामन्त्र, (3) गणेश-स्तवराज, (4)
नामोपासना के प्रकार, (5) महागणपति-तर्पण विधान,
(सामान्य, मध्य और उत्तम क्रम) तर्पण के अन्य प्रयोग, (7)
उच्छिष्ट गणपति-प्रयोग, (विभिन्न मन्त्र) मन्त्रप्रयोग-
विधान ।
6. भगवान् भैरवनाथ की कृपा-प्राप्ति 123-150

(1) भैरव-परिचय (2) त्रिकूट-रहस्य (3) रुद्रयामल (4) हिन्दी नामावली पाठ (5) बटुकभैरव - मन्त्र - विधान (6) रुद्रयामलोक स्वर्णाकर्षण भैरव-साधना मन्त्र विधान और स्तोत्र सहित स्वर्णाकर्षण भैरव-मन्त्रमय स्तोत्र, स्व० भै० यन्त्र (7) पक्षिराज शरभेश्वर-आकाश-भैरव-साधना, श्रीशरभेश्वर मन्त्रविधान एवं स्तोत्र, निग्रह-दारुण-सप्तक ।

7. भगवान् शिव की तान्त्रिक उपासना

150-164

(1) पार्थिव-पूजा-विधान (2) महामृत्युंजय साधना के मुख्य संकेत (3) महामृत्युंजय के नाम से प्राप्त होने वाले विभिन्न मन्त्रों के स्वरूप 27 प्रकार (4) तान्त्रिक-शिव-संजीवनी-प्रयोग (5) महामृत्युंजय मन्त्र और अन्य देवता ।

8. शक्ति उपासना और रुद्रयामल

164-170

(1) शक्ति का अपूर्व माहात्म्य (2) रुद्रयामल तन्त्र और दस महाविद्या रहस्य (एक तत्त्व के दस रूप) (2) दस महाविद्याओं के दार्शनिक तात्पर्य (3) दस महाविद्याओं का प्रादुर्भाव ।

1. भगवती महाकाली और उसके उपासना-तत्त्व

170-175

(क) मन्त्रजपविधि (ख) कवच पाठ-श्रीकालीकवच ।

2. भगवती तारा की उपासना

175-179

(क) एकजटामन्त्र विधान (ख) श्रीनीलसरस्वती स्तोत्र, (ग) अन्य मन्त्र-भेद आदि ज्ञातव्य ।

3. षोडशी-श्रीविद्या के सूत्र और रुद्रयामल

179-191

(क) श्रीविद्या का उपासना-परिचय (ख) दो स्वतन्त्र ग्रन्थ-
(1) देवी रहस्य (2) त्रिकूट-रहस्य (रुद्रयामलोक), 21 मन्त्र, विभिन्न उपासकों द्वारा दृष्ट (ग) महात्रिपुरसुन्दरी : श्रीविद्या (संक्षिप्त परिचय) (घ) आम्नाय-व्यवस्था, (ङ) श्रीविद्यासाधना का विस्तार (च) उद्घाटन-कवच : एक चिन्तन (छ) बाह्य-पूजा-विधान (संक्षिप्त श्रीमन्त्रपूजा) आदि ।

My hearty thanks to SRI HARSHA SHARMA

4. माताभुवनेश्वरी की साधना upupa@gmail.com 191-194
 (क) पूर्वाभास (ख) एकाक्षरी मन्त्र विधान (ग) अष्टोत्तरशत नामस्तोत्र (घ) वराह मन्त्र-प्रयोग ।
5. श्रीत्रिपुर मैरवी की उपासना 194-195
 (क) परिचय एवं महामन्त्र का विधान (यन्त्र परिचय सहित)
6. छिन्नमस्ता भगवती की आराधना 195-198
 (क) स्वरूप-दर्शन एवं यन्त्र-मन्त्र परिचय (ख) छिन्नम-स्तास्तवराज (ग) परशुरामोपासना ।
7. भगवती धूमावती की साधना 198-201
 (क) पूर्व-परिचय (ख) मन्त्र-विधान (ग) यन्त्र, कवचादि बोध (घ) श्रीधूमावती माला-मन्त्र ।
8. माता बगलामुखी की आराधना 201-206
 (क) पूर्वाभास तथा मन्त्र परिचय (ख) दो मन्त्रों के विधान (ग) श्री बगलामुखी स्तोत्र ।
9. भगवती मातंगी की साधना 206-208
 (क) प्रारम्भिक परिचय (ख) मन्त्र-विधान (ग) श्रीमातंगी स्तोत्र ।
10. महाविद्या श्रीकमला की उपासना 208-212
 (क) मूल परिचय (ख) मन्त्र विधान (तीन प्रकार)- (1) एकाक्षरी (2) चतुर्बीजात्मक (3) त्रयोदशाक्षरी (ग) नामावली-विधान (घ) लक्ष्मीकवच-विधान (ङ) लक्ष्मीविषयक विशेष ज्ञातव्य (च) साम्राज्य लक्ष्मी-मन्त्रविधान और हरि-मन्त्र ।

12. दुर्गासप्तशती और उसके महत्त्वपूर्ण प्रयोग 214-221

(क) दुर्गासप्तशती (ख) चरित्रत्रय की सात-सात शक्तियां
(ग) चरित्रत्रय की 360 शक्तियां और श्रीयन्त्र पूजा (घ)
तान्त्रिक दृष्टि और सप्तशती (ङ.) नवार्णमन्त्र (च)
अंगानुष्ठानक्रम (छ) तपांग-योजना (ज) नवरात्र के नौ पाठों
का क्रम (झ) एक अति महत्त्वपूर्ण 'सार्ध नवघण्टी-पाठ'
(रुद्रयामलोक्त) ।

13. शान्तिदुर्गादि नौ दुर्गाओं के मन्त्र-विधान 221-236

(क) (1) शान्ति दुर्गा (2) अग्निदुर्गा (3) वनदुर्गा (4) गिरिदुर्गा
(5) अम्बिकादुर्गा (6) चण्डिकादुर्गा (7) महिषमर्दिनी दुर्गा (8)
जयदुर्गा (9) नवाक्षरीदुर्गा (ख) इन्द्राक्षीदुर्गा का अपूर्व-प्रयोग
(यन्त्र कवच 6 मन्त्र एवं स्तोत्र सहित) (ग) महाविद्या,
वनदुर्गा-मन्त्र-प्रयोग-(क) पूर्वाभास, (ख) मन्त्रविधान (ग)
आसुरी - दुर्गा -मन्त्र-प्रयोग -(1) प्रारम्भिक परिचय (2)
आसुरीदुर्गा-तन्त्रविधान (3) अन्य प्रयोग (ङ) कुमारी पूजन-
प्रयोग-(1) कुमारीपूजन क्यों ? (2) पूजाविधान (3) कुमारी
स्तोत्र ।

14. गायत्री-साधना और रुद्रयामल 236-249

(क) सिद्धविद्या गायत्री का महत्त्व (ख) मुक्तिचिन्तामणि-
गायत्री कवच (ग) त्रिपदा गायत्री स्तवराज (घ)
गायत्रीपटल (ङ) सर्वार्थसाधनकर-गायत्री यन्त्र ।

15. रुद्रयामलोक्त नवग्रह-साधना 250-257

(क) ग्रहों की विशिष्टता (ख) सूर्योपासना के मन्त्र (ग)
तृचाकल्प नमस्कार (ग) हंसकल्प नमस्कार (ङ) अन्यग्रहों के
विविध उपाय-सर्वांगीण परिचय सहित (च) नवग्रह-स्तोत्र ।

16. वैष्णव उपासना के तान्त्रिक विधान 258-263
 shrinath.udupa@gmail.com
 (क) वैष्णवाष्टाक्षरी मन्त्र प्रयोग (विनियोगादि सहित) तथा अन्य मन्त्र (ख) लक्ष्मी नृसिंह मन्त्र विधान (ग) वर-लामार्थ रुक्मिणीवल्लभ मन्त्र-विधान (घ) सिद्ध शालग्राम मन्त्रविधि (ङ) विद्यागोपाल मन्त्र (च) दशाक्षरी राममन्त्र, सीताराममन्त्र, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के मन्त्र ।
17. हनुमद् उपासना की तान्त्रिक अभिव्यक्ति 263-270
 (क) भगवान् हनुमान् के मन्त्र (ख) अन्य प्रयोग, 9 मन्त्र एवं 5 रुद्रयामलीय विशिष्ट प्रयोग (ग) पंचमुखिवीर हनुमत् कवच स्तोत्र, (घ) अनुभव सिद्ध दो मन्त्र ।
18. सर्वोपयोगी तन्त्र- स्तोत्रादि-संग्रह 270-286
 (क) मन्त्र एवं स्तोत्रों की भूमिका (ख) गणपति-मन्त्र और स्तोत्र (ऋणहरण तथा सन्तान गणपति) (ग) सन्तान कामेश्वरी प्रयोग (घ) धनदा लक्ष्मी-स्तोत्र, (ङ) रुद्रयामल प्रोक्त बुद्धि बढ़ाने के उपाय-प्रज्ञावर्धन स्तोत्र आरुढा सरस्वती स्तोत्र, नवार्ण मन्त्र गर्भित चामुण्डास्तोत्र (च) यक्षिणीकल्प के प्रयोग-
 (1) यक्षिणी-परिचय, प्रत्येक यक्षिणी के मन्त्रों का संग्रह ।
19. रुद्रयामल-वर्णित रसकल्प और उसके प्रयोग 286-292
 (क) 'रसकल्प' संग्रह का परिचय, 'घातु-मंजरी' संग्रह का परिचय,
 (ख) 'रसार्णवकल्प' का परिचय-(1) वनस्पतिकल्प, (2) उदककल्प (ग) पंचमारायोग (दूर्वा, विजया, बिल्वपत्र, निर्गुण्डी तथा काली तुलसी के प्रयोग) ।
- एक बात और 293-303
 लेखक-परिचय एवं शुभाशंसा 304